सत्र 2022–23

Pravreshika Certificate in Performing Art-(P.C.P.A.)

II Year

Regular/Private

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Theory – I	100	33
02.	Practical – Demonstration & Viva	100	33
	Grand Total	200	66

सत्र 2022–23

नियमित परीक्षार्थियों हेतु

प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिम वर्ष
तबला–शास्त्र
(वस्तुनिष्ठ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पद्धति पर आधारित)

समय : 3 घंटे

पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33

इकाई 1

मंद्र, मध्य, तार, सप्तक, आरोह तथा अलंकार की परिभाषाएँ।

इकाई 2

लय, सम, मात्रा, विभाग, ताली खाली, कायदा, रेला तथा मुखडा की परिभाषाएँ।

इकाई 3

तबला वाद्य की संपूर्ण सचित्र जानकारी। तिट, तिरकिट, धागे, धिनगिन, किड़नग आदि बोलों की निकास विधि का अध्ययन।

इकाई 4

भाातखण्ड़े ताल लिपि का सामान्य ज्ञान। पिछले पाठ्यक्रम के कायदे एवं रेलों को तालिपि में लिखने का अभ्यास।

इकाई 5

त्रिताल, तिलवाडा, आडाचौताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा तालों का वर्णन एवं भातखण्डे तालिपि पद्धति में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

सत्र 2022–23

नियमित परीक्षार्थियों हेतु

प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिम वर्ष
तबला–क्रियात्मक

पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33

1 त्रिताल, तिलवाडा, आडाचौताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा तालों के ठेकों की पढन्त एवं तबले पर बजाना।

2 तिट, तिरकिट, धागे, धिनगिन, घिड़नग, किड़नग, इन बोलों को तबले तथा बांयें पर बजाना।

3 त्रिताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा तालों को ठाह, दुगुन तथा चौगुन में बजाना।

4 त्रिताल में प्रथम वर्ष के कायदों तथा रेले के अतिरिक्त :–

(अ) धाति टधा तिट धाधा तिट धागे तिन किन –यह कायदा चार पल्टे तथा तिहाई सहित पढन्त एवं तबले पर बजाना।

(ब) धाऽ तिर किट धाऽ तिट घेन धाति घेन तिन किन – यह कायदा चार पल्टे तथा तिहाई सहित पढन्त एवं तबले पर बजाना।

(स) धातित् धातित् धाधा धिंधा, धिंधा धातित् धाधा धिंधा यह पेशकार दो सरल प्रकारों सहित पढन्त एवं तबले पर बजाना।

5 चार मात्रा से आठ मात्रा तक के मोहरे (पाठ्यक्रम के तालों में) बजाकर सम पर मिलना

6 त्रिताल में चार मात्रा से आठ मात्रा की तिहाइयॉ।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. संगीत शास्त्र परिचय – डॉ.एम. बी. मराठे
5- ताल शास्त्र परिचय – डॉ. एम. बी. मराठे